Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J—9109

PAPER—III
PRAKRIT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**

PRAKRIT

प्राकृत

पाइयं

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

पण्हपत्तं – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.
All questions should be answered in Prakrit.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।
सभी प्रश्नों के उत्तर प्राकृत में लिखिए।

टिप्पणि: इमं पण्हपत्तं दु-सयाणं (200) अंकाणं अत्थि, यो चउभागे विभाजिदो अत्थि। तम्हि समहिदाणं पण्हाणं उत्तरं जहाणियमाणुसारेण हि अभ्यत्थिणो लिहिदव्वं।

सव्वाणं पण्हाणं उत्तरं पाइय-भासाए लिहिदव्वं।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. Answer all questions in Prakrit only.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। सभी प्रश्नों के उत्तर केवल प्राकृत में ही दें।

(5x5=25 अंक)

टिप्पणि : अम्हि खंडे णिम्मलिहिदे अणुच्छेदे पंच (5) पण्हा संति। पत्तेग पण्णस्स उत्तरं तिंसदी (30) सद्दे अपेक्खिदं अत्थि। पत्तेगं पण्हं पंचाणं अंकाणं अत्थि।
सव्वाणं पण्हाणं उत्तरं पाइय-भासाए लिहिदव्वं।

(5x5=25 अंका)

आसाढ-जोण्हपक्खो छट्ठीए कुंडपुर-नगराहिव-णाहवंस-सिद्धत्थ-णरिंदस्स तिसिलादेवीए गब्भमागंतूण तत्थ अट्ठ-दिवसाहिय-णवमासे अच्छिय-चइत्त-सुक्क-पक्ख-तेरसीए उत्तरा-फग्गुणी-णक्खत्ते गब्भादो णिक्खंतो बड्ढमाणजिणिंदो।

1. उवरि उत्तस्स अनुच्छेदस्स अंसे कस्स महापुरिसस्स जम्मस्स वण्णणं अत्थि ?

उपर्युक्त अनुच्छेद के अंश में किस महापुरुष के जन्म का वर्णन है?

The Birth description of which great person in found in the above passage.

2. उवरि उत्ते अनुच्छेदे वण्णिदस्स महापुरिसस्स जणय-जणणीए णामाणि लिहिदाणि।

उपर्युक्त अनुच्छेद में वर्णित महापुरुष के माता-पिता के नाम लिखिए।

What are names of the mother and father of the greatman who is mentioned in the above passage.

3. उवरि उत्ते अनुच्छेदे वण्णिदस्स महापुरिस्स जणकस्स किं नगरं, किं वंसं सूचितं अत्थि, लिह।

उपर्युक्त अनुच्छेद में वर्णित महापुरुष के पिता का कौनसा नगर और वंश सूचित किया गया है, लिखिए।

Write the names of the city and clan of the father of the great person refered in the above passage?

4. उवरि उत्ते अनुच्छेदे वण्णिदस्स महापुरिस्स जम्मस्स को मासो का तिही को नक्खत्तो ? लिह।

उपर्युक्त अनुच्छेद में वर्णित महापुरुष के जन्म का क्या मास है, कौन तिथि है और कौनसा नक्षत्र सूचित है, लिखे।

Write the month, date and nakṣatra of the birth of the great person refered in the above passage.

5. उवरि उत्ते अनुच्छेदे पजुत्ताण अहो लिहिदाण सद्दाण अत्थाणि लिहिदाणि।

उपर्युक्त अनुच्छेद में प्रयुक्त निम्नांकित शब्दों के अर्थ लिखिए।

Write the meaning of the following words used in the above passage -

(i) जोण्हपखो (ii) गब्भादो (iii) जिणिंदो

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

टिप्पणि : अम्हि खंडे पंच-पंच (5-5) अंकाणं पंचदहा (15) पण्हा संति। पत्तेगस्स पण्हस्स उत्तरं पाएण तिंसदि (30) सद्देसु अवेक्खिदं अत्थि।

(5x15=75 अंका)

6. महारट्ठी पाइय भासाए एगा टिप्पणी लिह।

महाराष्ट्री प्राकृत पर एक टिप्पणी लिखिए।

Write a short note on mahārāṣṭri Prakrit

7. पाइय-पालि-भासाणं परिचयं देयं।

प्राकृत और पालि भाषा का परिचय दीजिए।

Give a brief introduction of Prakrit and Pali languages.

8. पाइय भाषाए पमुह महाकव्वाणं गामाणि लिह।

प्राकृत के प्रमुख महाकाव्योंके नाम लिखिए।

Write the name of main Prakrit epics.

9. 'हो' धादुए वत्तमाणकालस्स रूवाणि लिह।

'हो' धातु के वर्तमान काल के रूप लिखिए।

Conjugate the root 'हो' in present tense.

10. महारट्ठी पाइय भाषाए पंच गंथाणं णामाणि लिह।

महाराष्ट्री प्राक्रत के पाँच ग्रन्थों के नाम लिखिए।

Write name of five works of maharaṣṭri Prakrit

11. दव्वसंग्गहस्स संखित्त परिचयं देयं।

द्रव्यसंग्रह का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

Write a brief introduction of 'द्रव्यसंग्रह'

12. आचारंग सुत्रस्स सत्थपरिण्णाए वण्ण-विसयं लिह।

आचारांगसूत्रके 'सत्थपरिण्णा' का विषय स्पष्ट कीजिए।

Clarify in brief the subject matter of 'सत्थपरिण्णा' of अचारांगसूत्र

13. 'नमिपवज्जाए' वण्ण विसयं संखित्तेण लिह –

'नमिपविज्जा' का सारांश लिखिए।

Write in brief the subject matter of 'Namipavajja'

14. सट्टकस्स परिभासा देया।

'सट्टक' की परिभाषा दीजिए।

Write the definition of 'सट्टक'

15. आयरिय कुंदकुंदस्स ठिदिकालं किं ?

आचार्य कुन्द कुन्द के स्थितिकाल क्या है ?

What is the date of Ācārya Kundakunda ?

16. 'राम' सद्दस्स तइयाए विहत्तिए रुवाणि लिह।

'रमा' शब्द के तृतीया के रूप लिखिए।

Write the form 'राम' word in instrumental case.

17. पाइय भासाए दोण्णि कोस गंथाणं णामाणि लिह।

प्राकृत के दो कोशग्रन्थों के नाम लिखिए।

Write the names of any two of lexicon works of prakrit.

18. 'गाहासत्तसई' गंथ विसए टिप्पणि लेहणीया।

'गाहासत्तसई' पर टिप्पणी लिखिए।

Write short notes on the 'गाहासत्तसई'

19. मृच्छकटिक–गंथे पजुत्ताण पाइय भासाण णामाणि लिह।

मृच्छकटिकं में प्रयुक्त प्राकृत भाषाओं के नाम लिखें।

Write the names of the Prakrit languages used in :

20. अणेगंतस्स सरूवं लिह।

'अनेकान्त' का अर्थ स्पष्ट करें।

Write the concept of 'अनेकांत'

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है.

(12x5=60 अंक)

टिप्पणि : अम्हि खंडे बारस-बारस (12-12) अंकाणं पंच (5) पण्हा संति। पत्तेगस्स पण्हस्स उत्तरं पायेण दु-सयेसु (200) सद्देसु अवेक्खिदं अत्थि।

(12x5=60 अंका)

21. पाइय भासाए विगासस्सोवरि टिप्पणी लिह।

प्राकृत भाषा के विकासपर टिप्पणि लिखिए।

Write a note on the development of prakrit languages.

22. पउम चरियं गंथस्स वण्ण-विसयं लिह।

पउमचरिय ग्रंथ की विषयवस्तु लिखिए।

Write a note one the subject matter of

23. कप्पूरमंत्तरी-सट्टकस्स पत्ताण परिचयं देयं।

कर्पूरमंजरी-सट्टक के पात्रों का परिचय दीजिए।

Give a brief account of the characters of कर्पूरमंजरी।

24. उत्तरज्झययणसूत्तस्स वण्ण-विसयं लिह।

उत्तराध्ययनसूत्र की विषय वस्तु संक्षेप में लिखिए।

Write in brief the subject matter of उत्तराध्ययनसूत्र

25. हाथीगुंफा-सिलालेहस्स का मूल्लंकणं करेहि।

हाथीगुंफा-शिलालेख का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the significance of Hãthigumpha inscription

SECTION - IV
खण्ड–IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any one of the following topics. Answer in Prakrit only.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। केवल प्राकृत में ही उत्तर दें।

(40x1=40 अंक)

टिप्पणि : अम्हि खंडे चत्तालीस (40) अंकाणं एगो णिबंधत्तगो पण्हो अत्थि, जस्स उत्तरं अहोलिहिदेसु विसएसु किमवि एगे पायेण सहस्स (1000) सद्देषु लेहणं अवेक्खिदं अत्थि। पण्हस्स उत्तरं पाइय-भासाए लिहिदव्वं।

(40x1=40 अंका)

26. आचरिय कुन्दकुन्दस्स पाइयसाहिच्चे अवदान विवेचणीयँ।

आचार्य कुन्दकुन्द के प्राकृत साहित्य में अवदान का विवेचन करें।

Evaluate the contribution of Acarya Kundkunda to prakrit literature.

अथवा / अहवा / OR

अहोहितेसु कमनि एग णिबंधं लिह।

निम्नलिखित में से किसी एक पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on any one of the following :

(i) पाइय कहा-साहिच्चस्स मुल्लंकणं।
प्राकृत कथा साहित्य का मूल्यांकन
Evaluation of Prakrit narrative literature.

(ii) अयरिय हरिभट्टसूरीए अवदानं।
आचार्य हरिभद्सूरि का अवदान।
Contribution of Acharya Haribhadra Suri.

(iii) पाइय भासाए पमुह सिला लेहाण महत्तं।
प्राकृत के प्रमुख शिलालेखों का महत्व।
Significance of main Prakrit inscriptions.

(iv) छट्टव्व विवेयणं।
षड़द्रव्य व्यवस्था।
Description of Six Substances.

(v) मृच्छकटिक गंयस्स समिक्ख
मृच्छकटिकं की समीक्षा।
Critical evaluation of मृच्छकटिक

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....